ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे – 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26111809
रेलवे - 55222, 55860, 55862

छात्रावास - डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे - 55980, 55981, 55976

फैक्स : 020-26128677
ई – मेल : mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष - 11 **अंक - 43** **जुलाई - सितंबर 2007**

इस अंक में

1. सेवानिवृत्त सदस्य इंजीनियरी का दौरा
2. डॉ. जयंत नारलीकर का दौरा
3. रेलपथ सेमिनार
4. मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार
5. ट्रांसनेट रेल फ्रेट के प्रतिनिधि मंडल का दौरा
6. आईपीडब्ल्यूई (आई), पुणे चैप्टर का तकनीकी सेमिनार
7. स्वतंत्रता दिवस समारोह
8. राजभाषा सप्ताह 2007
9. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 96 वीं बैठक
10. संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन
11. विशेष उपलब्धियां
12. बधाई /शुभकामनाएं
13. श्रद्धांजली
14. शब्द-ज्ञान
15. कविता

1 सेवानिवृत्त सदस्य इंजीनियरी का दौरा

श्री के. बालाचंद्रन, सेवानिवृत्त सदस्य इंजीनियरी ने दिनांक 27 अगस्त को संस्थान का दौरा किया । उन्होंने भा.रे.इं.से. के परिवीक्षार्थियों, समूह 'ख' अधिकारियों तथा संकाय सदस्यों को संबोधित किया। श्री बालाचंद्रन इरिसेन की प्रशिक्षण सुविधाओं से अत्यंत प्रभावित हुए । अतिथि पुस्तिका में उनकी टिप्पणी से यह परिलक्षित होता है :

'आज परिवीक्षार्थियों एवं समूह 'ख' अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हुई है । श्री शिव कुमार एवं उनके संकाय सदस्यों ने इरिसेन का कायाकल्प कर दिया है। मैं 84-85 में और उससे पहले 83 में दौरे पर आया था। भविष्य में इरिसेन और ऊंचाईयाँ छुए, यही मेरी कामना है।'

2 डॉ. जयंत नारलीकर का दौरा

पुणे में बसे विश्व विख्यात वैज्ञानिक डॉ.जयंत नारलीकर, एवं उनके साथ अन्य नामी वैज्ञानिकों ने संस्थान का दौरा किया। उन्होंने अनुरोध किया कि संस्थान उनकी कॉलोनी में 'रेन वॉटर हार्वेस्टिंग' के लिए उन्हें मार्गदर्शन दे । उन्होंने इरिसेन छात्रावास का भी दौरा किया जहां पर यह परियोजना सफलतापूर्वक लागू की गई है । उन्होने संस्थान में किए गए बेहतर कार्यों की सराहना की तथा संरक्षण से संबंधित विकसित मुद्दों में हमारी रुचि तथा छात्रावास के अनुरक्षण में हमारे द्वारा अपनाई गई रीति की भी उन्होंने प्रशंसा की।



श्री के.बालाचंद्रन, से.नि.सद. इंजी. को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए निदेशक



डॉ.जयंत नारलीकर एवं उनके सहयोगी वैज्ञानिकों की संस्थान के निदेशक से चर्चा

संरक्षक
शिव कुमार
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
घनश्याम बंसल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक – पुल

संपादक
अरूणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

सहयोग
अरूण चांदोलीकर
सह प्राध्यापक
अशोक पोलके रा.भा.स. I/आर.जे.पाल, रा. भा. स.II

3 रेलपथ सेमिनार

दिनांक 05 से 07 सितंबर तक इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में रेलवे बोर्ड, आर डी एस ओ तथा क्षेत्रीय रेलों के इंजीनियरों ने भाग लिया।

सेल द्वारा 'इम्प्रूवमेंट इन रेल मेकिंग एंड न्यू प्रोडक्ट्स', पारिख इंडस्ट्रीज द्वारा 'डिजीटल एसआरटी विद व्हील / स्लाइडिंग प्रोब', सीटीई /प.रेल द्वारा 'रेट्रोफिटमेंट टू डीआरटी फॉर जीएफसी टेस्टिंग', एक्सीलरेंट सोल्युशन प्रा.लि. द्वारा 'एन्टीकोरोसिव केमिकल फॉर रेल एंड फॉसनिंग', ख्याति निलयम असोसिएट्स (प्रा.)लि. द्वारा 'ऐडवान्सिस इन अल्ट्रासोनिक रेल टेस्टिंग', प्लासर इंडिया (प्रा.) लि. द्वारा 'लेटेस्ट डेवलपमेंट इन ट्रैक मशीन' पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रतिभागियों द्वारा इनकी बहुत सराहना की गई। आर डी एस ओ द्वारा पुणे यार्ड में 'ट्रैक स्ल्यू मशीन', 'हाइड्रोलिक वेल्ड ट्रिमर-स्मॉल ट्रैक मशीन' पर डिमॉन्स्ट्रेशन दिया गया। मुख्य रेलपथ इंजीनियर, उत्तर रेल ने समापन भाषण में सेमिनार में प्रस्तुतीकरण एवं संस्थान द्वारा की गई व्यवस्था की भरपूर प्रशंसा की। इरिसेन वेबसाइट की उत्कृष्ट विशिष्टताओं से सभी बहुत प्रभावित हुए।



रेल पथ सेमिनार का एक दृश्य

4 मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार

दिनांक 13 से 14 सितंबर तक इरिसेन में मुख्य पुल इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। आर डी एस ओ एवं क्षेत्रीय रेलों द्वारा CC+8+2 लोडिंग के संचलन के संबंध में समेकित समीक्षा की गई। सेमिनार में प्रस्तावित कार्यसूचियों पर विचार विमर्श किया गया तथा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : श्री पियुष अग्रवाल, का नि /पु एवं सं /आर डी एस ओ द्वारा i) 'स्टेटस् ऑफ इंस्ट्रूमेंटेशन, पायलट प्रोजेक्ट्स एंड रिसर्च प्रोजेक्ट्स' ii) 'इंस्पेक्शन एंड मेंटेनेंस ऑफ वेल्डेड गर्डर iii) 'पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे का पुल नं. 173', श्री वी के गोविल, का नि सि इंजी (पु एवं सं)/रेलवे बोर्ड द्वारा 'ब्रिजेज ऑन आई आर एंड ओवरव्यू', श्री वी बी सूद, प्राध्यापक रेलपथ-II द्वारा 'आइट्म टू बी चेक्ड इन पीएससी गर्डर', श्री अजय गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल द्वारा ' लोड असेसमेंट ऑफ आर्च ब्रिजेज', श्री ए के सिन्हा, मु पु इंजी /द रेल द्वारा 'मेजरमेंट ऑफ कैंबर इन पीएससी गर्डर्स', श्री रवि रानडे, निदेशक कन्स्ट्रक्शन डाइग्नोस्टिक सेंटर पुणे द्वारा 'इवेल्यूएशन ऑफ स्ट्रक्चर्स बाय एनडीटी', मेसर्स पिक्सेल नेटवर्क द्वारा इंस्ट्रूमेंटेशन ऑफ ब्रिजेज', तथा मेसर्स स्काईमा (प्रा.) लि. नई दिल्ली द्वारा 'रेस्टोरेशन एंड लाँग टर्म प्रीजरवेशन ऑफ लार्ज फॉर्मेट डॉक्युमेंट्स'। सेमिनार के दौरान की गई व्यवस्था की प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई।



मुख्य पुल इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

5 ट्रांसनेट फ्रेट रेल के प्रतिनिधि मंडल का दौरा

दक्षिण अफ्रीका से ट्रांसनेट फ्रेट रेल के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिसमें श्री जोहानेस मखूशा, सीनियर मैनेजर (ह्युमन कैपिटल), श्री ग्रेगरी बोथा, सीनियर मैनेजर (ह्युमन कैपिटल) तथा श्री जे.एच.पी.वैन एर्ड, सीनियर मैनेजर (इंफ्रास्ट्रक्चर) शामिल थे, श्री पंकज अग्रवाल, म प्र/मा सं /राइट्स के साथ 29 अगस्त को इरिसेन का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य रेलपथ में उनके इंजीनियरी तकनीशियनों के प्रशिक्षण की संभावना तलाशना था। श्री घनश्याम बंसल प्राध्यापक पुल ने संस्थान के बारे में एक प्रस्तुतीकरण किया। निदेशक एवं संकाय सदस्यों के साथ विस्तार से विचार विमर्श किया गया तथा संस्थान एवं छात्रावास में विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं को देखा। वे इरिसेन की प्रशिक्षण सुविधाओं एवं इंफ्रास्ट्रक्चर से बहुत प्रभावित हुए। अतिथि पुस्तिका में उनकी टिप्पणी इस प्रकार है :



दक्षिण अफ्रीका से ट्रांसनेट फ्रेट रेल का प्रतिनिधि मंडल

श्री मखूशा- 'मेरे लिए भारतीय रेल द्वारा उनके प्रशिक्षुओं के लिए की गई उत्कृष्ट व्यवस्था के लिए प्रशंसा करना आवश्यक है। मैं निश्चिंत हूं कि हमारे प्रशिक्षु आपके आतिथ्य, वर्ल्ड क्लास सुविधाएं, प्रशिक्षण एवं देश से अनुभव लेंगे।'

श्री बोथा- 'बेहतरीन !! आपने बेंच मार्क सेट कर दिया है।'

श्री वैन एर्ड- 'उत्कृष्ट सुविधाएं विशेष कर प्रशिक्षण का वातावरण प्रशिक्षुओं को प्रेरित करता है जैसे : 'खेल नहीं, केवल काम ही काम अल्पज्ञ बच्चे को भी ज्ञानी बना देता है।'

6 आईपीडब्ल्यूई (आई), पुणे चैप्टर का तकनीकी सेमिनार

दिनांक 31 जुलाई, 07 को आईपीडब्ल्यूई (आई) पुणे चैप्टर, के तत्वावधान में एक तकनीकी सेमिनार का आयोजन किया गया जिसमें श्री अतुल अग्रवाल, प्राध्यापक रेलपथ-3 ने 'जीपीएस सहित सर्वेक्षण' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिया। इसमें संकाय सदस्य एवं प्रशिक्षु अधिकारियों ने हिस्सा लिया।



दिनांक 22 अगस्त को 'अर्थ क्वेक इंजीनियरी' विषय पर एक और तकनीकी सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें श्री घनश्याम बंसल, प्रा.पुल द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया। सेमिनार में सभी प्रशिक्षु अधिकारी एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे।



7 स्वतंत्रता दिवस समारोह

संस्थान में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। निदेशक श्री शिव कुमार ने ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित समुदाय को संबोधित किया। तत्पश्चात भा.रे.इं.से. के परिवीक्षार्थियों, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा संस्थान के ऑडिटोरियम में देशभक्ति से ओतप्रोत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।



स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में निदेशक द्वारा ध्वजारोहण समारोह

8 राजभाषा सप्ताह 2007

संस्थान में दिनांक 10 से 14 सितंबर तक राजभाषा सप्ताह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री सुरेश गुप्ता, संकाय अध्यक्ष ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर राजभाषा सप्ताह समारोह का विधिवत् उद्घाटन किया। राजभाषा अधीक्षक द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना के बाद श्री घनश्याम बंसल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी द्वारा 'राजभाषा के 58 वर्ष' विषय पर पावर प्वाइंट में एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। उद्घाटन के पश्चात् ऑडिटोरियम में वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। सप्ताह के दूसरे दिन प्रश्न-मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारियों और कर्मचारियों ने जोश के साथ हिस्सा लिया। राजभाषा सप्ताह के तीसरे और चौथे दिन निबंध, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 14 सितंबर को हिंदी दिवस एवं राजभाषा सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करनेवाले एक अधिकारी तथा दो कर्मचारियों एवं हिंदी निबंध, वाक्, टिप्पण एवं आलेखन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान किया गया। अंत में पुणे मंडल सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।



राजभाषा सप्ताह के अवसर पर निदेशक श्री शिव कुमार एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री घनश्याम बंसल

9 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 96 वीं बैठक

30 जून, 07 को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 96 वीं बैठक 20 जुलाई को आयोजित की गई। संस्थान के निदेशक श्री शिव कुमार ने तिमाही में किए कार्यों की सराहना की तथा पावर प्वाइंट में बनने वाली पहली हिंदी व्याख्यान के लिए प्राध्यापक (कार्य) को बधाई दी। सदस्यों ने इसकी सराहना की और अन्य व्याख्यान टिप्पणियां भी प्रमुखता के आधार पर द्विभाषी करने का लक्ष्य रखा गया। इसके अतिरिक्त निदेशक द्वारा ई-टेस्ट के माध्यम से द्विभाषी प्रश्न पत्र उपलब्ध कराने के विकल्प तलाशने की सलाह दी गई और अगली बैठक में इसके परिणाम का लक्ष्य तय करते हुए बैठक समाप्त की गई।



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 96 वीं बैठक का दृश्य

10 संस्थान में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

संस्थान में दिनांक 20 से 24 जुलाई तक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के पांच कर्मचारियों को नामित किया गया था। कार्यशाला में राजभाषा नीति, हिंदी पत्राचार एवं अभ्यास तथा कंप्यूटर पर हिंदी का अनुप्रयोग सरलतापूर्वक कैसे किया जाए इसकी जानकारी दी गई। कार्यशाला में नामित प्रतिभागियों एवं संस्थान के अन्य कर्मचारियों न इसमें रूचिपूर्वक हिस्सा लिया और इससे बहुत लाभान्वित हुए।

11 विशेष उपलब्धियां

क) संस्थान में सितंबर माह तक 1023 अधिकारी प्रशिक्षित हुए जबकि पूर्ण वर्ष 2003 एवं 2004 में यह संख्या क्रमशः कुल 723 तथा 982 थी। अगस्त, 07 में कुल प्रशिक्षुओं का आंकड़ा 99 पर पहुंच गया, जो तीन सप्ताह तक कायम रहा। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि इस समय हमारे छात्रावास में अधिकतम 100 अधिकारियों के रहने की क्षमता है।

ख) इरकॉन के सौजन्य से प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए 10 लैपटॉप का प्रावधान किया गया। इससे छात्रावास में कंप्यूटर केन्द्र में 16 पर्सनल कंप्यूटरों के अतिरिक्त 60 कमरों में अलग से कंप्यू./ लैपटॉप लगाना संभव हुआ है। अब लगभग प्रत्येक प्रशिक्षु अधिकारी के कमरे में कंप्यूटर या लैपटॉप की सुविधा है।

ग) दिनांक 22 अगस्त को छात्रावास के मनोरंजन कक्ष में निदेशक द्वारा 'फुल स्क्रीन प्रोजेक्शन' टेलीविजन का उद्घाटन किया गया। इस नए आयाम का प्रशिक्षु अधिकारियों ने भरपूर स्वागत किया।

12 बधाई / शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

17 अक्तूबर - श्री एन.आर.काले, सहायक कार्यकारी इंजीनियर -1

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

15 अक्तूबर - श्री मनोज अरोड़ा, प्राध्यापक / कार्य
01 दिसंबर - श्री राजेश कुमार, प्राध्यापक / रेलपथ-1
12 दिसंबर - श्री आर.के.यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक / रेलपथ

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 अक्तूबर - श्री जे.एम.पटेकरी, मुख्य तकनीकी सहायक
01 अक्तूबर - श्री पी.विजयन, रसोईया
04 अक्तूबर - श्री कृष्ण बहादुर, रसोईया
06 अक्तूबर - श्री शंकर थोरात, खलासी
10 अक्तूबर - श्री विजय कुमार , वैयक्तिक सहायक
12 अक्तूबर - श्री अनिल पद्मने, तकनीशियन
12 अक्तूबर - श्री गौतम गुंडा, खलासी
25 अक्तूबर - श्री प्रदीप तावडे , तकनीशियन ग्रेड-1
04 नवम्बर - श्री अशोक द. सातपूते , तकनीकी सहायक
16 नवम्बर - श्री शेखलाल मौला, दफ्तरी
27 नवम्बर - श्री युवराज दामू, वरिष्ठ खलासी
03 दिसम्बर - श्री सिराज मोहम्मद, खलासी
08 दिसम्बर - श्री लल्लन श्री शोभाराम, कारपेन्टर ग्रेड-3
15 दिसम्बर - श्री नामदेव वाघू, वरिष्ठ खलासी
20 दिसम्बर - श्री हौसल्या प्रसाद, वरिष्ठ खलासी
23 दिसम्बर - श्री कालीदास उमाजी, प्रयोगशाला परिचर

कर्मचारियों को विवाह वर्ष गांठ पर हार्दिक बधाई

10 दिसम्बर - श्रीमती विद्या जम्मा, वैयक्तिक सहायक
13 दिसम्बर - श्री शिवाजी तावड़े, तकनीशियन ग्रेड-2

13 श्रद्धांजली

दिनांक 04 सितंबर को संस्थान में कार्यरत श्री संजय कांबले, प्रधान लिपिक का निधन हो गया। वे पिछले कुछ महीने से बीमार चल रहे थे। उनकी आयु 41 वर्ष थी। श्री कांबले के अकस्मात निधन से संस्थान को क्षति पहुंची है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और उनके परिवार को इस दुख से उबरने की शक्ति दें।

14 शब्द-ज्ञान

Conflict	संघर्ष	Consistent	एकरूप, संगत
Conspiracy	षडयंत्र	Constant	सतत
Comparison	तुलना	Constrains	बाध्यता
Compromise	समझौता	Construe	अर्थ लगाना
Commitment	वचनबद्धता	Consultant	परामर्शदाता

15 कविता

सत्तावन से सैंतालीस तक, देशप्रेम गूंजनमान था,
हर बच्चा खुदीराम सा, हर युवक भगत समान था,
थी बह रही उन्मुक्त लहरें, ऊंचा स्वाभिमान था,
कहीं सत्याग्रह हो रहा तो कही घमासान था,
नयनों में यह ज्योति थी कि हर स्वप्न साकार होंगे,
होगा अपना कल जिस दिन हम आजाद होंगे।

लेकर सिंदूर माँग का, नववधू ने तिलक लगाया था,
आँचल के दो टुकड़े कर माँ ने कफन चढ़ाया था,
पुत्रों की शहादत पर भी पिता ने दीपक जलाया था,
मातृभूमि सर्वोपरि है, सबने सिद्धांत अपनाया था,
बस एक उम्मीद थी कि हर बगीचे आबाद होंगे,
होगा अपना कल जिस दिन हम आजाद होंगे।

जात -पात, दंगा -फसाद मच रहा हाहाकार है,
आदर्शों, मर्यादाओं का पल- पल हो रहा संहार है,
अबला की सिसकियां कहीं तो, विधवा का चीत्कार है,
लोकतंत्र के पावन स्तंभ पर हो रहा प्रहार है,
दीन-हीन की आशाओं पर ये कैसा आघात है,
बताओ मुझे ऐ बंधु ! क्या भारतवर्ष आजाद है ?

आजादी है हमें शायद मनचाही करने की,
राष्ट्रकोष की मुद्राओं से अपनी झोली भरने की,
आजादी है हमें शायद बेटिकट भी चढ़ने की,
स्वतंत्र देश के वासी हो भई ! क्या जरूरत डरने की ?
लूट लो जितना जी चाहे, अब अपना धरती आकाश है,
समझा करो ऐ बंधुवर ! अब भारतवर्ष आजाद है।

जागो मेरे देशजनो ! फिर से करो हुंकार,
मिटा दो अपने अंदर , भय के सारे आधार,
निर्भय होकर निकलो तुम मिटाने को भ्रष्टाचार,
गांधी, सुभाष के आने की करो ना तुम इंतजार,
निर्धनता, अशिक्षा के चंगुल से इसे छुड़ाएंगे,
मिलजुल के एक साथ हम भव्य भारत बनाएंगे।

- नीतीश कुमार रंजन
भा.रे. इं. से. / परि.(2005)

प्राप्त हुए धन का उपयोग करने में दो भूलें हुआ करती हैं, जिन्हें ध्यान में रखना चाहिए। अपात्र को धन देना और सुपात्र को धन न देना।
- वेद व्यास

प्रकाशित रचनाओं पर रेलवे बोर्ड के दि. 03/11/04 के पत्र सं. हिंदी/99/रे.का.भा. 3 के द्वारा 01/01/2005 से निम्न प्रकार मानदेय दिए जाने का प्रावधान है - लेख कहानी/नाटक रु. 500/- पुस्तक समीक्षा/कविता रु. 200/- कार्टून/चित्र रु. 150/-

घनश्याम बंसल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे – 1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित
मेसर्स एम. आर. एंड कंपनी, 1552, सदाशिव पेठ, पुणे – 411 030. फोन : 020-65228163 द्वारा मुद्रित (3000 प्रतियां)